डॉ॰ अशोक भाटिया
पूर्व अध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर
हिन्दी विभाग
राजकीय स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय, करनाल

दिनांक:.....

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि शोधार्थी शालिनी ने **'इक्कीसवीं सदी की हिंदी कहानी में सामाजिक न्याय'** विषयक शोध प्रबन्ध मेरे निर्देशन में स्वयं सम्पन्न किया है । यह शोध–कार्य एकदम मौलिक, स्तरीय और पीएच॰ डी॰ उपाधि के योग्य है । अत: मैं इसे विश्वविद्यालय में परीक्षणार्थ प्रस्तुत करने की संस्तुति करता हूँ ।

निर्देशक

(डॉ॰ अशोक भाटिया)

घोषणा–पत्र

मैं, शालिनी शोधार्थी पीएच०डी० (हिन्दी) सत्य व निष्ठापूर्वक घोषणा करती हूँ कि **'इक्कीसवीं सदी की हिंदी कहानी में सामाजिक न्याय'** पर मेरा शोधकार्य मौलिक है। यह किसी भी प्रकाशित शोध–प्रबन्ध अथवा पुस्तक की ज्यों की त्यों नकल नहीं है।

तिथि : **(शालिनी)**

शोधार्थी